Cv – मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का प्रभु है मत्ती १२:१-८;
मरकुस २:२३-२८; लूका ६:१-५ | 1

– Save This Page as a PDF–

मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का प्रभु है

मत्ती १२:१-८; मरकुस २:२३-२८; लूका ६:१-५

खोदाई: फरीसी किस बात से नाराज हैं? दाऊद की कहानी प्रथम शमूएल २१:१-६ में यीशु की स्थिति पर कैसे लागू होती है? गिनती २८:९-१० में पुजारियों के बारे में? फरीसियों ने इस अर्थ की उपेक्षा कैसे की: मैं दया चाहता हूँ, बलिदान नहीं? मत्ती १२:८ और लूका ६:५ में मसीहा सब्त के मुद्दे को कैसे स्पष्ट करता है?

चिंतन: आप कब “बलिदान” करने और “दया की उपेक्षा करने” के जाल में फंस गए हैं? जैसे-जैसे आप परमेश्वर के प्रति आज्ञाकारी होने का प्रयास करते हैं, क्या आपको लगता है कि आप दूसरों से प्रेम करने के लिए अधिक स्वतंत्र होते जा रहे हैं, या धार्मिक नियमों द्वारा अधिकाधिक बाध्य होते जा रहे हैं? क्यों? उस तनाव का कारण क्या है?

मसीहा ने अस्थायी रूप से फरीसियों के इस आरोप का खंडन किया कि वह ईशनिंदा का दोषी था। लेकिन वे अथक थे. अब उनके विरोधियों ने यह आरोप लगाया कि वह सब्बाथ तोड़ने वाले थे। जल्द ही उन्होंने एक और घटना देखी जिससे उन्हें खुले तौर पर उस पर आरोप लगाने का एक और मौका मिल गया।

यह गलील में अप्रैल का अंत था, वह समय था जब चरवाहे और उनके झुंड पहाड़ियों पर घूमते थे और किसान अपनी जौ की कटाई समाप्त करते थे और अपना ध्यान गेहूं के बड़े खेतों की ओर लगाते थे। टोरा ने मांग की कि किसान अपने खेतों के किनारों पर गरीबों और जरूरतमंदों के लिए कुछ गेहूं छोड़ दें। मूसा ने लिखा: जब तुम अपनी भूमि में पकी हुई उपज काटो, तो अपने खेत के कोनों तक न काटो, और कटाई करने वालों के पास से बची हुई बालें भी न बटोरो (लैव्यव्यवस्था १९:९)।

ग्रेट सेनहेड्रिन (Lg – महान महायाजक की सभा देखें) अभी भी पूछताछ के दूसरे चरण में था। हो सकता है कि आपने नौकरी छाया के बारे में सुना हो, खैर, यह एक मंत्रालय छाया थी। जहाँ भी येशु जाता था, फरीसी निश्चित रूप से उसका अनुसरण करते थे। वे किसी भी चीज़ पर यीशु को चुनौती देते थे जो उन्हें लगता था कि वह मौखिक कानून के विपरीत है (देखें Ei – मौखिक कानून)। वे वास्तव में उस बिंदु पर पहुंच गए थे जहां उन्होंने मौखिक कानून को टोरा से भी थोड़ा ऊपर उठा दिया था। रब्बियों की एक कहावत थी: जो टोरा का अध्ययन करता है वह अच्छा काम करता है; परन्तु जो मौखिक कानून का अध्ययन करता है वह और भी अच्छा काम करता है। रब्बी शाऊल की तरह, एक समय

Cv – मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का प्रभु है मत्ती १२:१-८;
मरकुस २:२३-२८; लूका ६:१-५ | 2

में, वे अपने पिता की परंपराओं के प्रति बेहद उत्साही थे (गलातियों १:१४)।

कहने की जरूरत नहीं है, ऐतिहासिक यहूदी धर्म के भीतर सबसे सम्मानित आज्ञा शबात का पालन है। यह काफी आश्चर्य की बात है कि सब्बाथ को दिए गए सभी महत्व के बावजूद, बाइबल वास्तव में बहुत कम परिभाषा देती है। आज तक, यहूदी इस सबसे पवित्र दिन को याद रखने और मनाने की दोहरी बाइबिल आज्ञा का वर्णन करने के लिए शबात की शाम को दो मोमबत्तियाँ जलाते हैं। इसलिए बाइबिल की आज्ञा है कि जैसे स्वयं ईश्वर ने विश्राम किया, वैसे ही सभी कार्यों से विरत रहना। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई लोगों ने सब्बाथ की आज्ञाओं की गलत व्याख्या करके इसे बोझ या बंधन भी बना लिया है। जबकि कुछ लोगों ने, पुराने समय के प्यूरिटन लोगों की तरह, शबात को निराशा और विनाश का समय बना दिया, यहूदी दृष्टिकोण ने बाइबिल के परिप्रेक्ष्य पर जोर दिया कि सातवां दिन वास्तव में खुशी और खुशी देने वाला था।

आज्ञा के लिए: सब्बाथ को याद रखें और इसे पवित्र रखें
(निर्गमन Dn पर मेरी टिप्पणी देखें – चौथी आज्ञा: सब्बाथ को पवित्र रखें), फरीसियों ने लगभग १,५०० अतिरिक्त नियम और कानून जोड़े। यह इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि तल्मूड का एक संपूर्ण ट्रैक्टेट सब्बाथ (ट्रैक्टेट शब्बत) पर क्या अनुमति है या निषिद्ध है, इस पर विचार करने के लिए समर्पित है। इस पहले पद में, फरीसियों ने कहा कि उन्होंने उनमें से चार को तोड़ दिया। एक सब्त के दिन यीशु अनाज के खेतों से होकर जा रहा था, और जब उसके प्रेरितों को भूख लगी और वे उसके साथ-साथ चल रहे थे, तो वे गरीबों के लिए छोड़े गए अनाज की बालें तोड़ने लगे, और उन्हें अपने हाथों में मलने लगे, और अनाज खाने लगे (मत्ती १२:१) ; मरकुस २:२३; लूका ६:१). जब वे डंठल से गेहूँ तोड़ते थे, तब वे विश्रामदिन को काटने के दोषी ठहरते थे; जब उन्होंने गेहूँ को भूसी से अलग करने के उद्देश्य से गेहूँ को अपने हाथों में रगड़ा तो वे शबात के दिन दाँवने के दोषी थे; जब उन्होंने भूसी उड़ा दी (निहित), तो वे सब्त के दिन भूसी झाड़ने के दोषी थे; और फिर उन्होंने वह गेहूँ खाया जो वे सातवें दिन गेहूँ भण्डारित करने के दोषी थे।

उस समय फरीसी कितने उग्र हो गये थे। रब्बियों का नियम था कि तुम्हें सब्त के दिन

Cv – मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का प्रभु है मत्ती १२:१-८;
मरकुस २:२३-२८; लूका ६:१-५ | 3

घास पर नहीं चलना चाहिए। यदि आप किसी फरीसी रब्बी से पूछें, “शबात के दिन घास पर चलने में क्या हर्ज है?” वह कहेगा, “कुछ नहीं! लेकिन यहाँ समस्या है. यदि वहाँ गेहूँ का एक जंगली डंठल उग रहा हो, और यदि आपने गलती से उस पर पैर रख दिया और उसे डंठल से अलग कर दिया, तो आप सातवें दिन फसल काटने का दोषी हो सकते हैं। और यदि आपने गलती से गेहूं को भूसी से अलग कर दिया तो आप थ्रेसिंग के दोषी हो सकते हैं। यदि आप चलते रहे और आपके परिधान के बाहरी किनारे से गलती से भूसी उड़ गई तो आप सब्त के दिन फटकने के दोषी होंगे। और यदि कोई पक्षी झपट्टा मारे और खुला हुआ अनाज खा ले, तो तुम शब्बत के दिन भण्डार करने के दोषी ठहरोगे। तोराह के चारों ओर बाड़ का निर्माण कितना चरम बन गया था।

किसी भी सामान्य दिन पर इसकी अनुमति होती, लेकिन सब्त के दिन इसकी सख्त मनाही थी। जब फरीसियों ने यह देखा, तो उन्होंने यीशु से कहा, “देखो! तुम्हारे चेले सब्त के दिन अनुचित काम करते हैं” (मत्ती १२:२; मरकुस २:२४ लूका ६:२)। कहा गया क्रिया अपूर्ण काल में ग्रीक शब्द एलेगॉन है, जो निरंतर क्रिया को दर्शाता है। यदि मार्क यह कहना चाहता कि फरीसी केवल यीशु से बात कर रहे थे, तो उसने सिद्धांतवादी काल का प्रयोग किया होता। लेकिन वह इस बात पर जोर देने के लिए अपने रास्ते से हट जाता है कि फरीसी यीशु के पास जाना बंद नहीं करेंगे। जब वे मत्तित्याहू के घर पर भोजन कर रहे थे तो उन्होंने उसके प्रेरितों से बात की (Cp – मत्ती की बुलाहट देखें)। लेकिन अब उन्होंने सीधे उनसे बात की. उन्होंने उसके मौखिक कानून को तोड़ने का मुद्दा उठाया। यीशु ने कभी भी टोरा का खंडन नहीं किया, लेकिन जब आवश्यक हुआ तो मौखिक कानून का विरोध करने से नहीं डरते थे। इसलिए, उसने छह कारणों की ओर इशारा करते हुए जवाब दिया कि वह सब्त के दिन का प्रभु क्यों है:

सबसे पहले, वह राजा दाऊद से एक ऐतिहासिक अपील करता है। यह अच्छी तरह से जानते हुए कि शिक्षित फरीसियों को घटना का विवरण पता था, येशुआ ने उन्हें असामान्य मुठभेड़ से सीखे जाने वाले आध्यात्मिक सिद्धांतों को गहराई से देखने के लिए प्रेरित किया। उसने उत्तर दिया: क्या तुमने कभी नहीं पढ़ा कि दाऊद ने तब क्या किया जब वह और उसके साथी भूखे और जरूरतमंद थे (मत्ती १२:३)? ग्रीक में इस शब्दांकन से सकारात्मक उत्तर की अपेक्षा थी। दाऊद के संबंध में अपनी ऐतिहासिक अपील का संदर्भ स्थापित करते हुए, यीशु ने उल्लेख किया कि यह महायाजक एब्याथर के दिनों में था। लेकिन क्या प्रभु ने गलती की थी जब उन्होंने एब्यातार को महायाजक के रूप में पहचाना था जब प्रथम शमूएल २१:१-६ में अहिमेलेक का नाम बताया गया है? प्रथम शमूएल २१ के अभिलेख के अनुसार, दाऊद का नोब में एब्यातार के पिता, अहीमेलेक के साथ लेन-देन था। लेकिन ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से इस घटना के संबंध में एबियाथर का नाम लेना गलत या ग़लत नहीं था।

सबसे पहले, दाऊद की अहीमेलेक से मुलाकात के तुरंत बाद, राजा शाऊल ने नोब में अहीमेलेक सहित याजकों की हत्या करवा दी (प्रथम शमूएल २२:१८-१९)। केवल एब्याथर बच निकला! वह दाऊद के पास भाग गया और दाऊद की मृत्यु तक महायाजक के रूप में कार्य

Cv – मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का प्रभु है मत्ती १२:१-८;
मरकुस २:२३-२८; लूका ६:१-५ | 4

किया, भले ही नोब में वध के समय वह महायाजक नहीं था।

दूसरा, मसीहा ने यह नहीं कहा कि एब्यातार उस समय महायाजक था, बल्कि यह सचमुच एब्याथर के दिनों में था। जब घटना घटी तब वह जीवित थे और अपने पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने महायाजक के रूप में कार्य किया। नोब जीसस के पुजारियों का वध एबियाथार के दिनों में हुआ था, हालाँकि उनके कार्यकाल के दौरान नहीं।

दाऊद के संबंध में ऐतिहासिक अपील को जारी रखते हुए, हमारे उद्धारकर्ता ने उल्लेख किया कि उसने प्रभु के घर में प्रवेश किया और उसने और उसके साथियों ने उपस्थिति की रोटी खाई (निर्गमन Fo पर टिप्पणी देखें – अभयारण्य में उपस्थिति की रोटी: मसीह, जीवन की रोटी) – जिसे खाना केवल याजकों के लिए वैध है (मत्ती १२:४; मरकुस २:२५-२६; लूका ६:३-४)। मसीह ने बताया कि दाऊद और उसके साथियों ने भी फरीसी कानून का उल्लंघन किया जब उन्होंने उपस्थिति की रोटी खाई (प्रथम शमूएल २१:१-६)। मूसा ने कभी नहीं कहा कि एक लेवी किसी गैर-लेवी को उपस्थिति की रोटी नहीं दे सकता, लेकिन वह एक मौखिक कानून था। फरीसी यह दावा नहीं कर सकते थे कि दाऊद मौखिक कानून बनने से पहले जीवित थे क्योंकि वे स्वयं पढ़ाते थे और मानते थे कि परमेश्वर ने मूसा को सिनाई पर्वत पर मौखिक कानून उसी समय दिया था जब उन्होंने दस आज्ञाएँ जारी की थीं। दूसरे शब्दों में, दाऊद ने फरीसी कानून तोड़ा लेकिन उन्होंने कभी भी उस पर कार्रवाई नहीं की। इसलिए यदि दाऊद मौखिक कानून तोड़ सकता है, तो उसका बड़ा बेटा, येशुआ हा-मेशियाच भी तोड़ सकता है।

दूसरा, उन्होंने बताया कि विश्राम का सब्बाथ सिद्धांत हर स्थिति में लागू नहीं होता है। या क्या तू ने तोरा में नहीं पढ़ा, कि जो याजक सब्त के दिन मन्दिर में ड्यूटी करते हैं, वे सब्त के दिन को अपवित्र करते हैं, और फिर भी निर्दोष हैं (मत्ती १२:५)? मंदिर परिसर में मौजूद लोगों के लिए यह आराम का दिन नहीं था। वास्तव में, मंदिर परिसर के भीतर रहने वालों को सब्त के दिन सामान्य दिन की तुलना में अधिक मेहनत करनी पड़ती थी क्योंकि जहाँ उनके पास दैनिक बलिदान और अनुष्ठान होते थे, वहीं सब्त के दिन वे सभी दोगुने हो जाते थे। वहाँ विशेष विश्राम अनुष्ठान भी थे जो किसी अन्य दिन नहीं किए जाते थे। शब्बत पर कुछ कर्तव्यों की अनुमति दी गई थी। मैं यह भी बताना चाहूँगा कि बाइबल सब्त के नियमों को रविवार पर स्थानांतरित नहीं करती है।

तीसरा, वह फरीसियों से कहता है कि वह मन्दिर से भी बड़ा है। मैं तुम से कहता हूं, कि यहां मन्दिर से भी बड़ी कोई वस्तु है (मत्ती १२:६)। येशुआ हा-मेशियाक मन्दिर से भी बड़ा था। वह मन्दिर का स्वामी है। इसलिये क्योंकि मन्दिर में सब्त के दिन काम करने की अनुमति थी, और वह मन्दिर से बड़ा था, वह सब्त के दिन भी काम कर सकता था।

चौथा, वह बताते हैं कि किसी भी परिस्थिति में सब्त के दिन कुछ कार्यों की हमेशा

Cv – मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का प्रभु है मत्ती १२:१-८;
मरकुस २:२३-२८; लूका ६:१-५ | 5

अनुमति होती है। यदि आप जानते कि इन शब्दों का क्या अर्थ है, ‘मैं दया चाहता हूं, बलिदान नहीं’ (होशे ६:६), तो आप निर्दोष को दोषी नहीं ठहराते (मत्ती १२:७)। उन्होंने होशे ६:६ को उद्धृत करते हुए बताया कि किसी भी परिस्थिति में सब्त के दिन कुछ कार्यों की हमेशा अनुमति थी; जैसे आवश्यकता के कार्य और दया के कार्य। दाऊद की तरह, खाना एक आवश्यक कार्य था, जैसे बेथेस्डा के तालाब में अशक्त को ठीक करना दया का कार्य था। शबात पर ऐसे कार्यों की हमेशा अनुमति थी।

पाँचवाँ, मसीहा के रूप में, वह सब्त के दिन का प्रभु था। क्योंकि मनुष्य का पुत्र (Gl देखें – मनुष्य के पुत्र के पास सिर रखने की भी जगह नहीं है) सब्त के दिन का भी प्रभु है (मत्ती १२:८; मरकुस २:२८; लूका ६:५)। मौखिक कानून ने शब्बत के जीवन को दबा दिया था। इस्राएल को दुल्हन के रूप में सब्त का स्वागत करना था; परन्तु, इसके बजाय, इस्राएल के लिए वह उसका गुलाम बन गया था। शम्माई के स्कूल का मानना था कि सब्बाथ विश्राम का कर्तव्य न केवल मनुष्यों और जानवरों तक, बल्कि निर्जीव वस्तुओं तक भी फैला हुआ है। शुक्रवार को कोई भी ऐसी प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकती जो शबात के दौरान अपने आप चलती रहे, जैसे सन को सुखाने के लिए बिछाना, या ऊन को डाई में डालना। हिलेल के स्कूल ने सब्त के विश्राम से निर्जीव चीज़ों को बाहर रखा, लेकिन अन्यजातियों को काम पूरा करने की अनुमति दी। मनुष्य का पुत्र उन चीज़ों की अनुमति दे सकता था जिन्हें वे मना करते थे, और वह उन्हें मना कर सकता था जिन्हें उन्होंने अनुमति दी थी।

छठा, उन्होंने सब्बाथ के उद्देश्य को पूरी तरह से गलत समझा था। तब उसने उनसे कहा: सब्त का दिन मानवजाति के लिए बनाया गया था, न कि मानवजाति सब्त के लिए (मरकुस २:२७)। मनुष्य के लिए शब्द एनेर, पुरुष व्यक्ति नहीं है, बल्कि एन्थ्रोपोस, मानव जाति के लिए सामान्य शब्द है। रब्बियों ने सिखाया कि परमेश्वर ने इस्राएल को सब्बाथ की पूजा के लिए बनाया था; इसलिए, यह विश्वास था कि इज़राइल सब्त के दिन के लिए बनाया गया था। लेकिन यीशु यहां बिल्कुल विपरीत बात कहते हैं। सब्बाथ केवल अंत का एक साधन है – मानव जाति की भलाई। इस्राएल शबात के लिए नहीं बना था, शबात इस्राएल के लिए बना था। इसका उद्देश्य इस्राएल को एक दिन का आराम देना था, न कि उसे गुलाम बनाना। लेकिन फिर भी, मौखिक कानून ने सब्त के दिन यहूदियों को गुलाम बना लिया।

आज चर्च के भीतर भी ऐसी ही समस्याएं हैं, जिसने शबात को दो तरह से गलत समझा है: पहला, कुछ लोग मानते हैं कि रविवार नया सब्बाथ है। बाइबल में कहीं भी रविवार को सब्त का दिन नहीं कहा गया है। यह शुक्रवार को सूर्यास्त से लेकर शनिवार को सूर्यास्त तक था और हमेशा रहेगा। हम अब शब्बत को तोराह के ढाँचे के तहत रखने के लिए बाध्य नहीं हैं जैसा कि मसीहा ने बरकरार रखा था (प्रथम कुरिन्थियों ९:२१ सीजेबी), लेकिन सब्बाथ का दिन कभी नहीं बदला है। इसके अलावा, रविवार को कभी भी “प्रभु का दिन” नहीं कहा जाता है, बल्कि सप्ताह का पहला दिन कहा जाता है (मत्तीयाहु २८:१; मरकुस १६:२ और ९; लूका २४:१; योचनान २०:१ और १९; अधिनियम २०:७; पहला

Cv – मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का प्रभु है मत्ती १२:१-८;
मरकुस २:२३-२८; लूका ६:१-५ | 6

कुरिन्थियों १६:२), क्रूस से पहले और बाद में दोनों।

दूसरी समस्या रविवार को नियम-कायदे लागू करने की है। कुछ चर्चों के लिए, रविवार विश्राम और पूजा का एक अनिवार्य दिन है। हाँ, हमें नियमित आधार पर एक साथ मिलना चाहिए: आइए हम एक साथ मिलना न छोड़ें, जैसा कि कुछ लोगों को करने की आदत होती है, लेकिन आइए हम एक दूसरे को प्रोत्साहित करें – और जब आप उस दिन को करीब देखते हैं तो और भी अधिक (इब्रानियों १०:२५), लेकिन सप्ताह का दिन पूरी तरह से वैकल्पिक है। रब्बी शाऊल ने रोम के चर्च को लिखा: एक व्यक्ति एक दिन को दूसरे से अधिक पवित्र मानता है; दूसरा हर दिन को एक जैसा मानता है। उनमें से प्रत्येक को अपने मन में पूर्ण आश्वस्त होना चाहिए। जो कोई एक दिन को विशेष मानता है वह प्रभु के लिए ऐसा करता है (रोमियों १४:५-६ए; कुलुस्सियों २:१६-१७ और गलातियों ४:८-१० भी देखें)। शबात किसी बोझ के रूप में नहीं, बल्कि आनन्द मनाने के लिए प्रभु का उपहार है। इसलिए, सब्बाथ का सार हमें आराम का दिन देना है, न कि हमें नियमों और विनियमों का गुलाम बनाना।

प्रभु यीशु, हमें आपके अधिकार और प्रभुत्व को स्पष्ट रूप से देखने में मदद करें। उन तरीकों को तोड़ें जिनसे हम अपनी सोच में आपको कम करते हैं। हम आपके प्रेम के आदेश के अनुसार और आपके प्रभुत्व के अधीन रहना चाहते हैं। आमीन। वह वफादार है.